Series 65JLZ Ʊ/C **SET~1**

कोड नं. **4/3/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

नोट

(i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(iii) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।

(iv) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

(v) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ब)
HINDI (B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(क) *प्रश्न-पत्र* ***दो*** *खण्डों में विभाजित किया गया है —* ***अ*** *और* ***ब*** *। सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ख) *(i)* ***खण्ड अ*** *में प्रश्न संख्या* ***1*** *तथा* ***2*** *अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या* ***3*** *से* ***6*** *तक व्यावहारिक व्याकरण के बहुविकल्पी प्रश्न हैं ।*

(iii) *प्रश्न संख्या* ***7*** *से* ***9*** *तक पाठ्य-पुस्तक से बहुविकल्पी प्रश्न हैं ।*

(ग) *(i)* ***खण्ड ब*** *में प्रश्न संख्या* ***10*** *से* ***12*** *तक पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक से वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या* ***13*** *से* ***17*** *तक रचनात्मक लेखन के प्रश्न हैं ।*

(घ) *(i)* *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(ii) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(iii) *प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है तथापि प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए ।*

(iv) *इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

खण्ड अ

(वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश

1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं । गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किसी ***एक*** गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । *5×1=5*

गद्यांश एक

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या एक में दिए गए गद्यांश एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

"ज्ञान प्राप्त करने के लिए देशाटन से अच्छा साधन मिलना कठिन है । पुस्तकों में केवल विभिन्न देशों का, विभिन्न जातियों का तथा विभिन्न मनुष्यों का इतिहास ही तो होता है । जितनी भी भूगोल, इतिहास, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र तथा साहित्य की पुस्तकें हैं, वे मानवीय अनुभव के सिवा और क्या हैं ? किसी वस्तु को पढ़कर हम उसकी कल्पना ही कर सकते हैं । उसे साक्षात् देखकर हमें जैसा अनुभव होता है, उस ज्ञान की तुलना में पुस्तकों का ज्ञान नितांत अधूरा होता है । कई बार पढ़ने पर भी पुस्तकों से जानी-पढ़ी हुई बातें भूल जाती हैं, परंतु यदि एक बार भी उन बातों को स्वयं देख लिया जाए तो उनकी स्मृति सदैव हमारे हृदय-पटल पर अंकित हो जाती है । देश-विदेश में जाने से हमें वहाँ की जलवायु, भौगोलिक व प्राकृतिक स्थिति का यथार्थ ज्ञान हो जाता है । पत्रों द्वारा, पुस्तकों द्वारा तथा समाचार-पत्रों द्वारा हम किसी देश या वस्तु का उतना ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते, जितना कि साक्षात् उस वस्तु को देखकर या उस देश में घूमकर, उसका अवलोकन करके कर सकते हैं । वास्तव में देशाटन के द्वारा ही जीवन का सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है । देशाटन में कल्पनाशक्ति के लिए कोई स्थान नहीं है । आँखों देखी और कानों सुनी किसी वस्तु विशेष की बातों में ऐसा अंतर ही पाया जाता है । यही कारण है कि देशाटन का महत्त्व हमारे जीवन में बहुत अधिक है ।"

निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) पुस्तकों में किसका इतिहास समाया होता है ?

(A) नदियों, पर्वतों तथा जंगलों का

(B) देशों, जातियों तथा मनुष्यों का

(C) मनोरंजन, खेल-कूद तथा संगीत का

(D) वीरता, शांति तथा विश्वास का

(ii) हमारी स्मृति में बातें सदैव अंकित रहती हैं ?

(A) लोगों द्वारा बताई गई ।

(B) किताबों में पढ़ी गई ।

(C) कहानियों में सुनी गई ।

(D) स्वयं देखी गई ।

(iii) 'देशाटन' का अर्थ क्या है ?

(A) देश भ्रमण

(B) देश परिवर्तन

(C) देश निकाला

(D) देश आगमन

(iv) देश-विदेश में जाने से हमें किस स्थिति का यथार्थ ज्ञान होता है ?

(A) सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक

(B) बाहरी, आंतरिक और सामरिक

(C) जलवायु, भौगोलिक और प्राकृतिक

(D) पुस्तकीय, ऐतिहासिक और दार्शनिक

(v) देशाटन का महत्त्व हमारे जीवन में बहुत अधिक क्यों है ?

(A) हम देश में इधर-उधर जा सकते हैं ।

(B) हम देश से बाहर जा सकते हैं ।

(C) जीवन का सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है ।

(D) हम कहीं भी घूम सकते हैं ।

अथवा

गद्यांश दो

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या एक में दिए गए गद्यांश दो पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

"मानव जीवन संघर्षों से परिपूर्ण है; जो उसे तनावग्रस्त रखते हैं और निरंतर निराशा के अंधकार की ओर धकेलते रहते हैं । ऐसे में हास्य, एक प्रकाशपुंज के समान उसके जीवनपथ को आलोकित कर देता है । हास्य एक मानवीय सामाजिक वृत्ति है । प्रकृति ने केवल मनुष्य को ही ऐसा प्राणी बनाया है, जो दूसरों की बातों, क्रियाओं आदि पर हँस भी सकता है और हँसा भी सकता है । हास्य हमारी सहजता, सरलता और पवित्रता का द्योतक भी है । यह हमारे मन एवं जीवन के कालुष्य का परिमार्जन करता है । आज भौतिकता के जाल में फँसा मनुष्य चिंताओं, तनाव, अंतर्द्वंद्व, कुंठाओं का पुतला मात्र बनकर रह गया है । क्षणभर की हँसी, मुस्कराहट उसको इन सबसे मुक्ति दिला देती है । आज आधुनिक चिकित्सा पद्धति में भी हँसी के माध्यम से अनेक हृदय एवं मनोरोगों का निदान कुशलतापूर्वक किया जा रहा है । बड़े-बड़े शहरों में इसे जीवन का एक अहम अंग मान लिया गया है । लोग प्रातःकाल उद्यानों में ज़ोर-ज़ोर से ठहाके मार कर रक्त संचार को दृढ़ करके सदैव निरोगी बने रहते हैं । हास्य रस में डूबी कविताएँ, नाटक कहानियाँ आदि के लिए लालायित पाठक एवं दर्शक हास्य की आवश्यकता को दृढ़तर करते नज़र आते हैं । हास्य जहाँ रोचकता उत्पन्न कर जीवन की एकरसता को तोड़ता है वहीं हँसमुख प्रवृत्ति के व्यक्ति को सभा, समाज का केन्द्र भी बना देता है । हास्य से तात्पर्य उच्छृंखल होने से नहीं है, अपितु निराशा ख़त्म करने से है । आनंद के छोटे-छोटे पलों को व्यर्थ न जाने दें, बल्कि मुस्कराते रहिए, मुस्कराते रहिए और मुस्कराते रहिए ..."

निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) जीवनपथ को प्रकाशपुंज के समान कौन आलोकित करता है ?

(A) नैराश्य
(B) वैमनस्य
(C) हास्य
(D) व्यंग्य

(ii) आधुनिक चिकित्सा पद्धति में हँसी के माध्यम से किन रोगों का निदान किया जा रहा है ?

(A) किडनी और पित्ताशय
(B) नाक, कान, गला
(C) नेत्र रोग
(D) हृदय और मनोरोग

(iii) 'लालायित' शब्द का तात्पर्य है

(A) उत्सुक होना
(B) प्रतीक्षा करना
(C) चाहना
(D) सामना करना

(iv) आज भौतिकता के जाल में फँसा मनुष्य ग्रस्त है

(A) चिंता, तनाव, अंतर्द्वंद्व और कुंठा से
(B) रोग, महँगाई, ग़रीबी और ईर्ष्या से
(C) धन, ऐश्वर्य, अहंकार और मद से
(D) लोभ, मोह, द्वेष और अज्ञान से

(v) 'चिकित्सा' का अर्थ है

(A) हास्य

(B) उपचार

(C) उपयोगिता

(D) उपसंहार

2. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं । गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और किसी ***एक*** गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । *5×1=5*

गद्यांश एक

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या दो में दिए गए गद्यांश एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

"भारतीय संविधान सभा द्वारा हमारे तिरंगे का रंग, आकार, बनावट, रंगों का क्रम आदि निर्धारित किया गया है । 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा ने इसे स्वीकृत किया तथा 15 अगस्त, 1947 को 31 बंदूकों की सलामी के साथ पहली बार ध्वजारोहण किया गया । तब से आज तक इसे देश की राष्ट्रीय स्वतंत्रता, राजनैतिक संप्रभुता, सांस्कृतिक एकात्मकता एवं सामाजिक एकरसता के प्रतीक के रूप में फ़हराया जाता है । हमारा तिरंगा सौंदर्य, गौरव एवं संवेदनशीलता के प्रतीक को अपने में समेटे है । इसका केसरिया रंग निःस्पृह त्याग, बलिदान का प्रतीक है । मध्य में स्थित श्वेत पट्टी सत्य के प्रकाश की प्रतीक है और हरा रंग प्रकृति से हमारे जुड़ाव और धरती से जुड़ी हमारी समृद्धि का सूचक है । तिरंगे के मध्य अशोक चक्र है, जो न्याय की गति का प्रतीक है । इसे धर्मचक्र भी कहते हैं । हमारा तिरंगा कहता है कि इसकी छाया में रह रहे लोगों का पूरा विश्वास है कि सत्य एवं धर्म (सद्गुण) ही मनुष्यता के नियामक सिद्धांत हैं ।

तिरंगा हमेशा हाथ से कता हुआ, हाथ से बुना हुआ, सूती या रेशमी खादी कपड़े का बना होना चाहिए । यह आकार में आयताकार होना चाहिए जब ध्वजारोहण हो रहा हो तो हर भारतीय को उसके सम्मान में अपनी जगह पर स्थिर खड़े हो जाना चाहिए । ध्वजारोहण राष्ट्रीयता का सम्मान है ।"

निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) तिरंगे झंडे का रंग, आकार, बनावट और रंगों का क्रम किसके द्वारा निर्धारित किया गया ?

(A) कार्यकारिणी सभा

(B) संविधान सभा

(C) विधान सभा

(D) लोक सभा

(ii) राष्ट्रध्वज में कितने रंग होते हैं ?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

(iii) तिरंगे का अशोक चक्र प्रतीक है

(A) त्याग का

(B) बलिदान का

(C) न्याय का

(D) शौर्य का

(iv) तिरंगे का आकार कैसा होता है ?

(A) त्रिभुजाकार

(B) वर्गाकार

(C) गोलाकार

(D) आयताकार

(v) सबसे पहले तिरंगा कब फ़हराया गया था ?

(A) 15 अगस्त, 1931

(B) 15 अगस्त, 1942

(C) 15 अगस्त, 1945

(D) 15 अगस्त, 1947

अथवा

गद्यांश दो

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या दो में दिए गए गद्यांश दो पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।)

"आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में कुछ अधिक लग गया है । भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा ? इस प्रश्न को सुलझाने में या भविष्य का स्वप्न देखने में वह बहुत समय नष्ट कर देता है । भविष्य के बारे में सोचिए ज़रूर, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी मत होने दीजिए, क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है । अतः आपकी सफलता का मूलमंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचें कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारंभ करें । वर्तमान रूपी नींव को मज़बूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव बनती गई, तो भविष्य रूपी इमारत भी अवश्य बन जाएगी । जितनी मेहनत हो सके, उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें । यह सोचते हुए समय ख़राब न करें कि हे भगवान ! मेरा क्या होगा, मैं सफल भी हो पाऊँगा या नहीं ? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है । वर्तमान में समय का सदुपयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है । भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिंताएँ घेर लेती हैं । ये चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं । मन में लगन कम होती है और लक्ष्य दूर होता चला जाता है ।"

निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) गद्यांश के अनुसार आज का विद्यार्थी अपना बहुत-सा समय नष्ट कर रहा है

(A) रोज़गार खोजने में

(B) खेलने-कूदने में

(C) अपने भविष्य की चिंता में

(D) देश के बारे में

(ii) हमारी सफलता का मूलमंत्र हो सकता है

(A) अपने भविष्य का स्वप्न देखना और कार्य करना

(B) खाना, सोना और मस्ती मारना

(C) निरंतर सोचते रहना

(D) माँ-बाप का पैसा व्यर्थ गँवाना

(iii) भविष्य की चिंता में उपेक्षा नहीं होनी चाहिए

(A) वर्तमान की

(B) देशभक्ति की

(C) भूतकाल की

(D) दिन-रात की

(iv) समय किसे नष्ट करता है ?

(A) जो पढ़ता नहीं है ।

(B) जो समय को नष्ट करता है ।

(C) जो हँसता रहता है ।

(D) जो कार्य करता है ।

(v) भविष्य निर्माण में कौन सहायक ***नहीं*** होता है ?

(A) नकारात्मक सोच

(B) सकारात्मक सोच

(C) समय का सदुपयोग

(D) समय की बर्बादी

व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(i) आजकल के विद्यार्थी गाना <u>सुनते-सुनते पढ़ते हैं</u> । रेखांकित पद में कौन-सा पदबंध है ?

(A) संज्ञा पदबंध

(B) सर्वनाम पदबंध

(C) विशेषण पदबंध

(D) क्रिया पदबंध

(ii) 'माँ कल सुबह तक आएँगी ।' वाक्य में क्रिया-विशेषण पदबंध है

(A) सुबह तक

(B) तक आएँगी

(C) कल सुबह तक

(D) कल सुबह तक आएँगी

(iii) विदेश से आए अतिथियों में कुछ हिन्दी भाषा जानते हैं । वाक्य में रेखांकित पदबंध है

(A) संज्ञा पदबंध

(B) सर्वनाम पदबंध

(C) विशेषण पदबंध

(D) क्रिया पदबंध

(iv) 'आसमान में उड़ती पतंग कट गई ।' वाक्य में रेखांकित का कौन-सा पदबंध है ?

(A) संज्ञा पदबंध

(B) सर्वनाम पदबंध

(C) विशेषण पदबंध

(D) क्रिया पदबंध

(v) नीचे लिखे वाक्यों में विशेषण पदबंध वाला वाक्य छाँटकर लिखिए :

(A) अयोध्या के राजा बहुत प्रतापी थे ।

(B) आग और पानी का साथ नहीं हो सकता ।

(C) बड़े भाईसाहब हरदम किताब खोले बैठे रहते थे ।

(D) सौ रुपए से काम नहीं चल सकता ।

4. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(i) कमाने वाला खाएगा – वाक्य का मिश्र रूप चुनिए :

(A) कमाओ और खाओ ।

(B) खाने के लिए कमाना पड़ेगा ।

(C) जो कमाएगा वह खाएगा ।

(D) कमाकर खाओ ।

(ii) 'राष्ट्र के लिए मर मिटने वाला व्यक्ति सच्चा राष्ट्रभक्त होता है ।' रचना की दृष्टि से वाक्य है

(A) सामान्य वाक्य

(B) संयुक्त वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) सरल वाक्य

(iii) निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य होगा :

(A) उसने कहा कि मैं पढ़ूँगा ।

(B) वह पुस्तक कहाँ है जो मैंने तुम्हें दी थी ।

(C) मैंने उसे समझाया और वह मान गया ।

(D) वह सवेरे-सवेरे कहीं चला गया ।

(iv) 'जो विद्वान होते हैं उनका सर्वत्र आदर होता है ।' रचना की दृष्टि से वाक्य है

(A) सरल वाक्य

(B) मिश्र वाक्य

(C) सामान्य वाक्य

(D) संयुक्त वाक्य

(v) निम्नलिखित में से सरल वाक्य है :

(A) मैं भागते-भागते थक गया ।

(B) जब मैं भागा तब थक गया ।

(C) मैं भागा और थक गया ।

(D) जितना मैं भागा उतना थक गया ।

5. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं ***चार*** भागों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(i) 'प्रतिक्षण' – शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) तत्पुरुष समास

(B) अव्ययीभाव समास

(C) द्विगु समास

(D) कर्मधारय समास

(ii) 'नतमस्तक' – समस्त-पद का विग्रह होगा

(A) नत है जो मस्तक

(B) नत का मस्तक

(C) मस्तक है नत

(D) नत से मस्तक

(iii) 'चन्द्र है शिखर पर जिसके' – का समस्त पद है

(A) चन्द्रशिखर

(B) शिखरचन्द्र

(C) चन्द्रशेखर

(D) शेखरचन्द्र

(iv) 'हाथोंहाथ' – का सही समास-विग्रह का चयन कीजिए :

(A) हाथ से हाथ में

(B) हाथ के हाथ में

(C) हाथ में हाथ

(D) हाथ ही हाथ में

(v) 'अधपका' – शब्द में कौन-सा समास है ?

(A) तत्पुरुष समास

(B) अव्ययीभाव समास

(C) कर्मधारय समास

(D) द्वंद्व समास

6. निम्नलिखित ***चारों*** भागों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(i) मुख्यमंत्री जी के आ जाने से विद्यालय के वार्षिक समारोह में _____ । रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए ।

(A) चाँद-सितारे लग गए

(B) चार चाँद लग गए

(C) सूरज-तारे लग गए

(D) चाँद-सूरज लग गए

(ii) 'सचिन तेंदुलकर तो सबकी _____ है ।' उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(A) दिल का टुकड़ा

(B) कलेजे का टुकड़ा

(C) आँखों का तारा

(D) आँखों का सपना

(iii) 'प्रश्न-पत्र के कुछ प्रश्न क्यों छोड़ दिए ? क्या तुम्हारी _____ ।' उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(A) अक़्ल ग़ायब हो गई थी

(B) अक़्ल चकरा गई थी

(C) अक़्ल चरने गई थी

(D) अक़्ल मर गई थी

(iv) 'मैं तुम्हारी _____ आदत से परेशान हूँ ।' रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए ।

(A) तिजोरी भरने की

(B) कान भरने की

(C) घर भरने की

(D) दिमाग़ भरने की

पाठ्य-पुस्तक

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए : *4×1=4*

"स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखो जी ।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची ।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी ।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला ।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला ।
ऊँचा ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी ।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी ।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां ।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ ।"

(i) मीराबाई श्रीकृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहती है ?
- (A) श्रीकृष्ण के लिए बाग लगाने के लिए
- (B) प्रतिदिन उठकर दर्शन पाने के लिए
- (C) कृष्णलीला के गीत गाने के लिए
- (D) उपर्युक्त सभी

(ii) 'बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला ।' – में गाय के लिए प्रयुक्त शब्द है
- (A) धेनु
- (B) बिन्दरावन
- (C) मोहन
- (D) मुरली

(iii) 'कुसुम्बी' – कौन-सा रंग कहलाता है ?
- (A) लाल रंग
- (B) हरा रंग
- (C) केसरिया रंग
- (D) पीला रंग

(iv) 'तीनूं बाताँ सरसी' – में तीनों बातें क्या है ?
- (A) दर्शन
- (B) सुमिरन
- (C) भाव-भक्ति
- (D) उपर्युक्त सभी

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए : $5\times1=5$

"ग्वालियर से मुंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है । वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था, पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे । अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है । इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है । इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं । जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है । इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है । बच्चे अभी छोटे हैं । उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है । वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं । और क्यों न आएँ-जाएँ आख़िर उनका भी घर है ।"

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

(A) बड़े भाईसाहब

(B) तताँरा-वामीरो कथा

(C) अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

(D) कारतूस

(ii) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ के लेखक हैं

(A) लीलाधर मंडलोई

(B) निदा फ़ाजली

(C) प्रेमचंद

(D) हबीब तनवीर

(iii) समुद्र के किनारे बस्ती बनने से किनका घर छिन गया है ?

(A) पशु-पक्षी

(B) मानव

(C) जानवर

(D) पक्षी

(iv) लेखक के फ्लैट में कबूतरों ने घोंसला कहाँ बनाया ?

(A) खिड़की

(B) छत

(C) रोशनदान

(D) मचान

(v) 'वर्सोवा' किस शहर में स्थित है ?

(A) दिल्ली

(B) ग्वालियर

(C) मुंबई

(D) सूरत

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

"इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा । उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया ? या यों ही पढ़ गए ? महज़ इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास । जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो । रावण भूमंडल का स्वामी था । ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं । आजकल अंग्रेज़ों के राज्य का विस्तार बहुत बड़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते । संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेज़ों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं । रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे । बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे । आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ ? घमंड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा ।"

(i) 'चक्रवर्ती' राजा किन्हें कहा जाता था ?

(A) जो चारों ओर जाता है ।

(B) जो चक्र की तरह घूमते हैं ।

(C) जो भूमंडल का स्वामी होता है ।

(D) जो सब पर अत्याचार करते हैं ।

(ii) 'रावण' के चरित्र से हमें क्या सीख लेनी चाहिए ?

(A) दयालु होना

(B) घमंडी न होना

(C) ईमानदार न होना

(D) परोपकारी न होना

(iii) शिक्षा का उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

(A) परीक्षा पास कर लेना ।

(B) बुद्धि का विकास करना ।

(C) नौकरी प्राप्त करना ।

(D) समाज में सफल होना ।

(iv) मनुष्य को कौन-से कर्म नहीं करने चाहिए ?

(A) इतराना नहीं चाहिए ।

(B) कुकर्म नहीं करने चाहिए ।

(C) अभिमान नहीं करना चाहिए ।

(D) उपर्युक्त सभी

(v) गद्यांश में आए 'महीप' शब्द का अर्थ होता है

(A) महान

(B) शक्तिशाली

(C) राजा

(D) रंक

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) वज़ीर अली ने कम्पनी के वकील का क़त्ल क्यों किया ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ii) 'फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं' – पंक्ति से क्या तात्पर्य है ? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए ।

(iii) तताँरा की तलवार के विषय में लोगों की क्या राय थी ?

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60 – 70 शब्दों में लिखिए : *1×4=4*

"प्रकृति बहुत सहनशील होती है' लेकिन जब हम प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करते हैं तो वह बदला ज़रूर लेती है । यह सब हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है ।" 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के इस कथन को अपने अनुभव के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 – 50 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) वर्तमान समय में हरिहर काका जैसे वृद्ध व्यक्तियों के प्रति युवा पीढ़ी का क्या कर्तव्य है ? पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए ।

(ii) पी.टी. मास्टर और हेड मास्टर साहब के क्रोध में आप क्या अंतर देखते हैं ? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

(iii) टोपी शुक्ला, इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों करता है और इफ़्फ़न पक्का दोस्त होने के बावजूद भी इसके लिए तैयार क्यों नहीं होता ?

लेखन

13. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *1×6=6*

(i) आज का युवा वर्ग
- देश का भविष्य
- देश के प्रति ज़िम्मेदार
- लक्ष्य एक चुनौती

(ii) बेरोज़गारी : एक समस्या
- बेरोज़गारी क्या है ?
- समस्या क्यों ?
- समस्या सुलझाने के उपाय

(iii) श्रम का महत्त्व
- जीवन कर्म प्रधान
- श्रम से ही लक्ष्य की प्राप्ति
- उन्नति का कारण – श्रम

14. (क) आपके क्षेत्र में डेंगू के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं । इससे बचाव के लिए नगर-निगम के अध्यक्ष के नाम एक पत्र लिखिए । *5*

अथवा

(ख) देश में महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और कुछ समाधान सुझाते हुए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए । *5*

15. (क) विद्यालय में हो रहे 'हिन्दी दिवस' के आयोजन के लिए विद्यार्थियों से विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने हेतु नाम आमंत्रित करते हुए लगभग 30 – 40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए । *5*

अथवा

(ख) मुहल्ले के पास पार्क में योग की कक्षाएँ लगाने और उससे लाभ उठाने की सूचना लगभग 30 – 40 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

16. (क) कोरोना काल में मास्क की आवश्यकता हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य है । इसे ध्यान में रखते हुए मास्क की ख़ूबियाँ बताते हुए लगभग 25 – 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

अथवा

(ख) किसी हर्बल 'दंत मंजन' की विशेषताएँ बताते हुए लगभग 25 – 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

17. (क) 'यदि मैं सीमा पर तैनात सिपाही होता ...' – विषय पर लगभग 100 – 120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए । *5*

अथवा

(ख) 'गाँव का मेला' – विषय पर लगभग 100 – 120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए । *5*